VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0333326

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Vijendra Kumar

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

तारीख
Date
27/08/23

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre
Jaipur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			**6 (a)**		
1(b)			**6 (b)**		
2(a)			**7**		
2(b)			**8**		
3(a)			**9**		
3(b)			**10**		
3(c)			**11**		
4(a)			**12**		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			**उप-योग (B) Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय

कार्पोरेट शासन के संचालन, नियमों एवं कानूनों का हितधारकों, कर्मचारी बोर्ड प्रबंधन एवं उपभोक्ता आदि के हितों को ध्यान रखकर प्रबंधन करने से है।

कार्पोरेट गवर्नेंस को ESG के साथ एकीकृत की आवश्यकता

→ ESG मैट्रिक्स कार्पोरेट हितधारकों के हितों के लिए प्रभावी होगे क्योंकि

पर्यावरहित → कम्पनी के कार्यों का पर्यावरण पर प्रभाव एवं उनको कम करने का मूल्यांकन प्रबल होगा।।

सामाजिक → कार्पोरेट का समाज के स्वास्थ्य, शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को एकीकृत करेगा

गवर्नेंस → कानूनों का पालन,

CSR गतिविधियों को लागू करना आदि को बढ़ावा देगा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एकीकरण के लाभ

→ पर्यावरणीय दृष्टि से कार्पोरेट को जिम्मेदार बनायेगा और पर्यावरणीय प्रदूषण, जैव विविधता, GHGs के उत्सर्जन के प्रति स्वच्छ तकनीकीयों एवं सम्मान को बढ़ायेगा।

→ सामाजिक दृष्टि से कार्पोरेट की स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी पहलें समाज में गरीबी, कुपोषण, असमानता, लैंगिक भाव को मजबूती देगी।

→ गवर्नेंस क्षेत्र में कानूनों का अनुपालन एवं सभी हितधारकों के हितों को मजबूती मिलेगी।

अतः ESG एवं कार्पोरेट गवर्नेंस पहलों के मध्य एकीकरण एवं समन्वय दोनों को मजबूत बनायेगा।

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार में सामान्यतः मांग पक्ष पर अधिक बल देने का दृष्टिकोण रहा है किन्तु 'क्रोनी कैपिटलिज्म' एवं आपसी मिलीभगत के भ्रष्टाचार अधिक चुनौती है क्योंकि

→ इसमें भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं कि जाती है।

→ भ्रष्ट गतिविधि से दोनों पक्ष ही लाभान्वित होते है।

→ इस प्रक्रिया में संस्थाओं को पता लगाना मुश्किल हो जाता है क्योंकि भ्रष्टाचार की शिकायत या असंतोष जाहिर नही

दिखाई देता है।

भ्रष्टाचार के माँग पक्ष में लालफीताशाही, प्रक्रियाओं की अड़चन या अन्य कारकों को बचाव हेतु उपयोग किया जाता है हालांकि आपूर्ति पक्ष कानूनों का पालन नहीं करना जैसे शिकायत निवारण तंत्र, RTI आदि के कारण भी भ्रष्टाचार को स्वयं बढ़ावा देता है।

जबकि आपसी मिलिभगत की प्रक्रिया संसाधनों के शोषण, एवं आपसी सहमति का परिणाम है जिसका उदाहरण कार्टेल आदि में देख सकते हैं।

अत: नागरिकों की सक्रियता एवं जागरूकता, संस्थाओं की गतिशीलता से भ्रष्टाचार को कम किया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

नागरिक चार्टर पहल से आशय संस्था संगठन के उद्देश्यों लक्ष्यों के अनुरूप नागरिक सेवाओं के विवरण से है जिनके सिद्धान्त निम्न है

नागरिक चार्टर लाभ

→ नागरिक केन्द्रित नीति एवं सेवा डिलिवरी, समयबद्धता का समावेश
→ सेवा की गुणवत्ता, शिकायत निवारण तंत्र एवं विकल्पों की उपलब्धता

→ सुशासन की प्राप्ति

प्रमुख बाधाएं

→ नागरिक चार्टर स्थानीय भाषा में नही होना एवं समयबद्ध अपडेट नही।

→ बनाने में स्थानीय भागीदारी नही

→ शिकायत निवारण तंत्र मजबूत नही

→ संगठन में जागरूकता कम नागरिक चार्टर को लेकर

→ सेवाओं के विकल्पों का अभाव-

नागरिक चार्टर सुशासन के उद्देश्यों से प्रेरित था किन्तु नौकरशाही के लालफीताशाही रवैया, नागरिकों से दूरी आदि कारणों से पूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त नही कर सका है।

अतः नागरिक चार्टर के प्रति नौकरशाही को संवेदनशील, जनता को जागरूक, संगठन को सक्रिय बनाकर सुशासन के उद्देश्य को पाया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सार्वजनिक सेवा वितरण एक लोककल्याणकारी राज्य का मूल ध्येय है जो समाज के कमजोर वर्गों के विकास को बढ़ावा देने पर अधिक बल देते है।

सार्वजनिक सेवा वितरण की कुशलता

→ PDS जैसे प्रणाली में 75%. वर्ग को लक्षित करके खाद्यान्न सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया।

→ पेंशन, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति एवं विभिन्न योजनाओं का कुशल वितरण करके गरीबी को 2023 मे MPI के अनुसार 16%. पर लाना कुशलता का प्रतीक है।

बाधाएं

→ सार्वजनिक सेवा वितरण में डिजिटल साक्षरता, लैंगिक असमानता एवं सामाजिक भेदभाव एक बाधा बना हुआ है।

→ डिजिटल गैप नवीन बाधा के रूप में

उपाय - जीवन की गुणवत्ता के लिए

→

→ कौशल उन्नयन में वृद्धि

→ शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए RTE को मजबूती एवं स्वास्थ्य बीमा को बढ़ावा

→ डिजिटल, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा।

सेवा वितरण को गैरभेदभावपूर्ण एवं समावेशी बनाने के लिए तकनीकि दृष्टिकोणों को और अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है जिससे लैंगिक, सामाजिक न्याय को बढ़ावा मिल सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान भौतिकता के युग में धन संचय की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है जिसमें वैध, अवैध साधनों पर बल दिया जा रहा है किन्तु कुछ ऐसे नैतिक व्यक्ति भी है जो धन संचय के बजाय धन का दान करने की सोच रखते है जिनमें बिल मिलिन्डा फाउंडेशन आदि प्रमुख है।

धन दान क्यों आवश्यक

→ समाज में असमानता कम करने

→ शिक्षा, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने

→ परोपकारी मूल्यों में वृद्धि होती

→ कुपोषण, भुखमरी आदि की समस्या को कम किया जा सका

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

धन संचय की प्रवृत्ति को लाओत्से के अनुसार परोपकारी बनाने के लिए संवेदनशीलता, सहृदयता, करुणा, प्रेम जैसे मूल्यों का होना आवश्यक है इसके अतिरिक्त धन दान से असमानताओं में कमी, समाज में अपराधों से कमी एवं सामाजिक - आर्थिक प्रगति होती है जिसमें अधिक धन कमाने के अवसर पैदा होते है।

अतः धन के संचय के साथ ही दान की प्रवृत्ति अधिक धन कमाने के सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय प्रेरणा एवं परिवेश का निर्माण करती है जिसे हम CSR गतिविधियों के रूप में भी देख सकते है।

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कम्पनी प्रबंधन में नैतिक नियम या प्रशासन, राजनीतिक क्षेत्र में शीर्ष नेतृत्व का अनुसरण सामान्यतः सभी समाज क्षेत्रों में देखा जाता है।

अतः शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है और अवैध आर्थिक गतिविधियों जैसे भ्रष्टाचार, इनसाइडर ट्रेडिंग को बढ़ावा देगा तो नीचे के स्तरों पर भी इसका अनुसरण होने की अधिक संभावना है क्योंकि उनकी प्रेरणा का कार्य शीर्ष पर बैठे लोग हैं।

सामाजिक क्षेत्र में यदि शीर्ष स्तर के सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले रोल मॉडल लैंगिक भेदभाव, जाति भेदभाव आदि करते हैं तो अन्य

स्तरों भी उसका प्रभाव होगा और लैंगिक अपराध, जातीय अत्याचारों में वृद्धि हो सकती है।

→ शीर्ष स्तर यदि पर्यावरणीय संवेदनशीलता नहीं रखता एवं राजनीतिक क्षेत्र में या कानूनों का अनुपालन नहीं करता है तो संगठन में उच्च से निम्न स्तर पर अनैतिक प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।

अतः संगठन के कॉर्पोरेट गवर्नेंस में नैतिक मूल्यों एवं नैतिक संहिता को बढ़ावा देकर उच्च प्रबन्धन के शीर्ष पदों से लेकर निम्न स्तरों तक अनुपालन आवश्यक है जिससे भ्रष्टाचार, भेदभाव एवं अपराध में वृद्धि नहीं हो सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जॉन लॉक ने ऐसी व्यवस्था के निर्माण की बात की जहाँ कानून व्यक्ति के प्राकृतिक अधिकारों को संरक्षित करके मजबूत बनाये रखना है।

कानून का उद्देश्य

→ कानून समाज, राज्य में सभी व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देने वाले होने चाहिए जो स्वतंत्रता को बढ़ावा दे।

→ स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त प्रतिबंध अधिकारों के संरक्षण के लिए आवश्यक है।

→ स्वतंत्रता के रूप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का निर्बाध स्वतंत्रता न होकर कानून की सीमा में स्वतंत्रता का जॉन लॉक पक्षधर थे

→ एक व्यक्ति के अधिकारों एवं अन्यों के अधिकारों में संघर्ष को रोकने के लिए कानून का शासन की आवश्यकता पर बल देते थे।

अत: कानून का शासन जब स्वतंत्रता को सीमित या समाप्त मनमाने ढंग से करता है तो ऐसे में तानाशाही पैदा हो जाती है ऐसे में कानून ऐसे होने चाहिए जो स्वतंत्रता के रूप में अधिकारों को संरक्षित एवं संवर्धित कर सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

परोपकार की संस्कृति से प्रेरित होकर स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण आदि उद्देश्यों के लिए अनेक CEOs एवं सफल व्यापारियों के दान में वृद्धि हो रही है जिसमें फेसबुक के CEO, एलन मस्क, बिल एंड मिलिंडा फाउंडेशन, गौतम अडानी समूह एवं टाटा जैसे नाम शामिल है

प्रभाव

→ स्वास्थ्य, कुपोषण, गरीबी, अशिक्षा जैसे क्षेत्रों में परिवर्तन आयेगा

→ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

→ लैंगिक सशक्तीकरण प्रयासों में वृद्धि होगी।

अन्य उपाय

→ परोपकारी दान की प्रवृत्ति निश्चित तौर पर समाज में सामाजिक-आर्थिक पर्यावरणीय बदलाव लाने में महत्वपूर्ण होगी किन्तु अन्य प्रयासों जैसे —

→ CSR फंड को बढ़ावा।

→ राज्य के कल्याणकारी कार्यक्रमों की सक्रियता आवश्यक है।

अंत: समाज मे सकारात्मक बदलावों के लिए कार्पोरेट दानदाताओं, नागरिक समाज संगठनों एवं सरकारी प्रयासों के समन्वित प्रयासों से सकारात्मक बदलाव लाया जा सकेगा जिनके मध्य समन्वयन आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

निष्पक्षता से आशय किसी के साथ पूर्वाग्रहपूर्ण भेदभाव नहीं करना जबकि पारदर्शिता से आशय कार्यों में सार्वजनिकता का होना खुलापन का होना, पहुंच का होना।

कृत्रिम बुद्धिमता (AI) तकनीकी में मशीनों, इंटरनेट, एवं बिग डेटा पहलों के माध्यम से मानव की तरह सोचने, निर्णय लेने एवं कार्य करने की प्रवृत्ति विकसित की है जिसमें जुड़ी चिंताएं निम्न है।

→ निष्पक्षता → A.I तकनीकी डेटा के आधार पर पूर्वाग्रह जैसे नस्लीय भादि के उदाहरण देखे गये है।
↳ बड़े एवं छोटे उद्यमों के

प्रथम निर्णय में निष्पक्षता का अभाव करेगा।

→ डेटा के आधार पर लैंगिक, जाति, धर्म, वर्ग का भेदभाव की चिंता है

→ पारदर्शिता

↳ डेटा के उपयोग जिसमें व्यक्तिगत डेटा भी शामिल है के दुरुपयोग की संभावना।

नौकरी सुरक्षा

↳ मानव की तरह कार्य करने में बड़े स्तर पर MNCs नौकरियों को खत्म कर सकती है जैसे chatGpt आदि स्तर पर

अतः A.I भविष्य की तकनीक है जो औद्योगिक क्रांति 4.0 एवं समाज में व्यापक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है अतः निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नौकरी सुरक्षा की चिंताओं को दूर किया जाना आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती वैदिक जीवन पद्धति से प्रभावित सुधारक थे जिन्होंने स्वदेशी, शिक्षा सामाजिक समानता एवं नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया और वर्तमान सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को भी निम्न प्रकार प्रभावित करता है -

शिक्षा → स्वामी दयानन्द सरस्वती ने स्वशिक्षा पर बल दिया जिनमें स्वभाषा एवं स्वज्ञान के महत्त्व को NEP- 2020 में भी शामिल किया है।

→ लैंगिक शिक्षा में महिला शिक्षा के विकास के प्रसार से।

सामाजिक समानता

→ जाति एवं जन्म आधारित

भेदभाव का विरोध किया।
→ अस्पृश्यता को नहीं माना जो वर्तमान संविधान एवं कानूनों में प्रतिबंधित है।
→ महिलाओं की समानता एवं अधिकारों की बात भी वर्तमान लैंगिक समानता एवं न्याय के अनुरूप है।

नैतिक मूल्य

→ स्वामी दयानंद सरस्वती वैदिक जीवन के नैतिक मूल्यों के समर्थक थे
→ वो समाज में करुणा, परोपकार, दया, प्रेम, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते थे जो वर्तमान भारतीय समाज में मूल्य संकटों में देखा जा सकता है जिसका समावेश NEP-2020 में भी किया गया है।

अत: स्वामी दयानंद सरस्वती का शिक्षा, सामाजिक समानता एवं नैतिक मूल्यों पर प्रभाव वर्तमान भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को भी प्रभावित कर रहा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

लोक सेवा के मूल्यों जैसे सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, पारदर्शिता आदि का पालन करते हुए एक लोक-सेवक व्यक्तिगत हितों के स्थान पर लोक सेवा के मूल्यों को प्राथमिकता देता है जैसे श्री ईश्वरन

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

गैर-पक्षपात से आशय नियमों, कानूनों के आधार पर निर्णय न कि पूर्वाग्रह के आधार पर निर्णय जो सामाजिक, लैंगिक न्याय में बाधा बन जाता है।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

लोकसेवक के निर्णय नियम, मापदण्ड, कानूनों एवं प्रक्रियाओं के पालन के आधार पर होने चाहिए अर्थात् नौकरी, टेंडर आदि में मापदण्डों का पालन न कि विवेकाधिकार पालन।

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

सहिष्णुता से आशय विविधतापूर्ण समाज में विभिन्न मतों, विचार, धर्म, प्रथाओं का सम्मान करना एवं स्वयं के विचारों को अन्यों पर नही थोपना।

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

लोक सेवा में करुणा से आशय लोक सेवक समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील भाव रखेगा और किसी समस्या या दुःखी व्यक्ति की पीड़ा को कम करने का प्रयास करेगा जैसे विधवा को पेंशन दिलवाने में सहायता आदि।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमता (E.I) से आशय स्वयं एवं दूसरों की भावनाओं को पहचानना, प्रबंधन करना एवं वांछित उद्देश्यों में प्रयोग करना।

भावनात्मक बुद्धिमता न केवल प्रशासन में बल्कि पेशेवर प्रबंधन एवं रोजमर्रा के कार्यों में निर्णयन लेने में सहायता करती है जैसे E.I का प्रयोग करके हड़ताल को खत्म करना।

पेशेवर जीवन

→ कार्यालय पर गतिरोधों को समाप्त करना, सकारात्मक कार्यसंस्कृति का निर्माण करने में सहायक।

→ कठिन लक्ष्यों की प्राप्ति में विभिन्न टीमों के मध्य E.I का प्रयोग करके समन्वयन स्थापित करके लड़ाइयों को शान्त करना

रोजमर्रा जीवन में

→ घरेलू सम्बन्धों में मित्र के जन्मदिन पर नहीं आने पर मित्र को मनाने के लिए E.I का प्रयोग करके

→ घरेलू एवं पारिवारिक सम्बन्धों का व्यवसायिक कार्यों से सन्तुलन बनाये रखने में E.I का प्रयोग करके पत्नि को मनाना।

→ गाँव के लोगों को स्वच्छता एवं लैंगिक, जातिय भेदभाव पर पूर्वाग्रह मुक्त करने के लिए E.I का प्रयोग करना।

अतः E.I व्यक्ति की पेशेवर एवं व्यक्तिगत रोजमर्रा के जीवन में सफलता को बनाये रखने में महत्वपूर्ण पहलू है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जवाबदेही से आशय कार्यों के प्रति नागरिकों, संगठन एवं वरिष्ठों के प्रति जवाबदेह होने से है।

पारम्परिक रूपों की विफलता के बाद बहुहितधारक एवं बॉटम अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोणों से जवाबदेहिता बढ़ाने का प्रयास किया जिसमें नागरिक चार्टर, PRIs, सोशल ऑडिटिंग, RTI के आदि प्रावधान शामिल किये जिसके

(1) पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से जनभागीदारी बढ़ाना और

ग्राम सभाओं के माध्यम से सोशल ऑडिटिंग करके PRI की जवाबदेहिता को बढ़ाव देने का कार्य।

→ नागरिक चार्टर → नागरिक केन्द्रित सेवाओं की समयबद्धता, गुणवत्तापूर्ण डिलीवरी से जवाबदेहिता में वृद्धि के प्रयास किये।

→ सूचना का अधिकार के माध्यम से सूचनाओं तक सार्वजनिक पहुंच ने जवाबदेहिता के बहुहितधारक ढांचे का निर्माण किया।

→ सोशल ऑडिटिंग के माध्यम से वित्तीय पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर जनभागीदारी को बढ़ावा दिया।

→ सिविल सेवाओं की भागीदारी एवं NGO के माध्यम से जनभागीदारी बढ़ाकर बहुहितधारक और वास्तविक नागरिक केन्द्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा।

अतः नवीन दृष्टिकोण के प्रति जागरूकता एवं प्रशिक्षण से जवाबदेहिता के तंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में अपराधों एवं कानून अनुपालन प्रक्रिया में तकनीकी के समावेशन एवं तकनीकी गलतियों के परिणामों को प्रकट कर रही है जिसमें निम्न हितधारक है

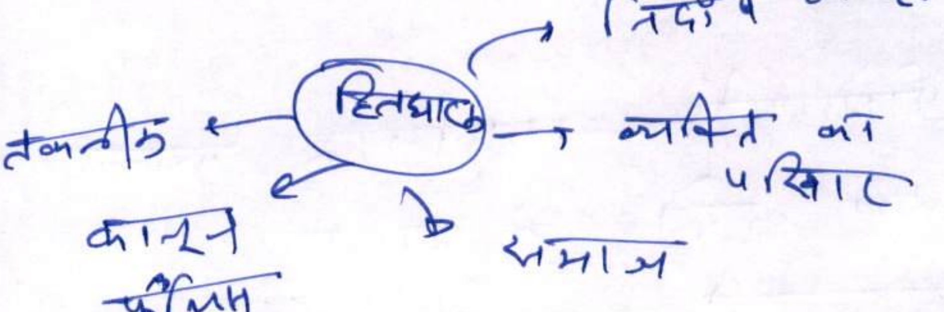

शामिल मुद्दे

→ तकनीकी गलतियों का प्रयोग के कारण निर्दोष व्यक्ति भी अपराधी बन सकता

→ समाज में अपराधों की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने में तकनीकी हस्तक्षेप एवं उनकी विश्वसनीयता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ पुलिस जांच प्रणाली में तकनीकी का समावेशन के जोखिम एवं लाभ

→ तकनीकी की 100% सटीकता का मुद्दा या विफलता में जवाबदेहिता का मुद्दा।

→ निर्दोष व्यक्ति की इमेज, परिवार एवं समाज सहित रोजगार का खतरा।

प्रौद्योगिकी के नकारात्मक प्रभाव कम करने के उपाय

→ A.I एवं एल्गोरिदम प्रणालियों में डेटा की सटीकता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

→ संदिग्ध को दोष सिद्धता तकनीकी यदि 100% पहचान स्पष्ट एवं साक्ष्य नहीं हो तब तक

तकनीकी के आधार पर निर्णय लेने से बचें।

→ तकनीकी निर्णयों एवं निष्कर्षों में किसी भी परिणाम को मानवीय जांच प्रक्रिया के दोहराव से गुजारना चाहिए जिन मामलों में इनकी पहचान नहीं होती है।

→ तकनीकी के बेनेफिट ऑफ डाउट का लाभ तब निर्दोष व्यक्ति के फेवर में होना चाहिए जब तक मजबूत साक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो जाएं।

→ तकनीकी को और मजबूत बनाने के लिए डेटा को मजबूत, CCTV कैमरों की संख्या में वृद्धि एवं R&D को बढ़ावा जाना चाहिए।

अतः प्रौद्योगिकी क्रिमिनल न्यायिक प्रणाली में निश्चितता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर तीव्रता एवं सुलभता लाने मे सहायक होगी लेकिन मानवीय पहलुओं एवं निर्णयों मे मानवीय भागीदारी की उपेक्षा नही की जानी चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवा इस हाशि नहीं लिख चाहिए Candi must n write this m

कार्यस्थल पर कर्मचारियों के साथ होने वाले व्यवहारों, इन्हों एवं वरिष्ठ प्रबंधन के व्यवहार को प्रदर्शित कर रही है उपर्युक्त केस स्टडी में निम्न हितधारक है :—

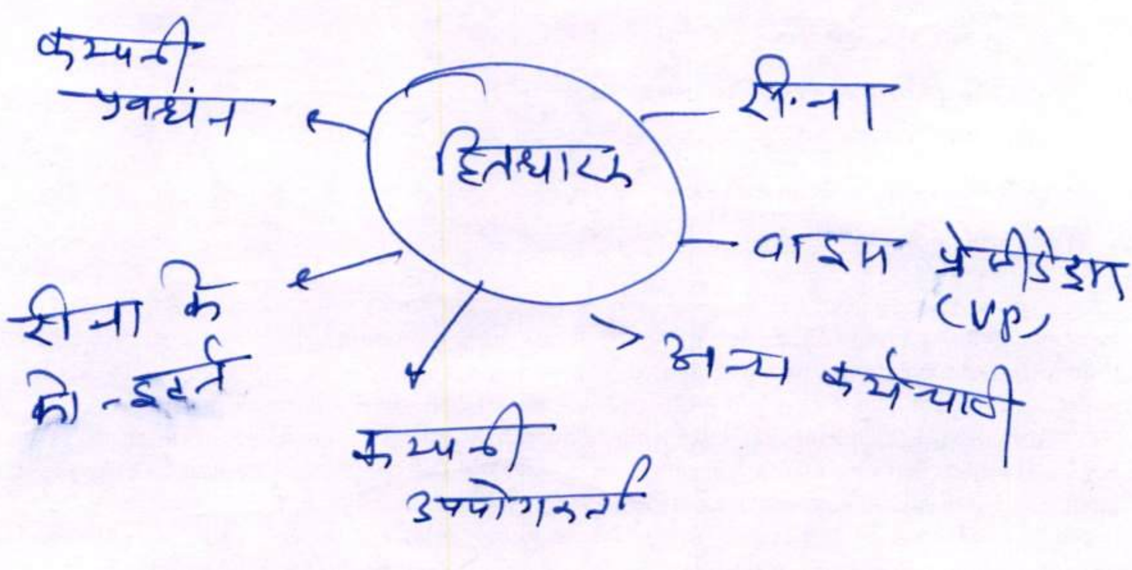

दुविधा

→ रीना को VPs द्वारा अतिरिक्त ध्यान देने एवं सोशल मीडिया पर फॉलो करने के कारण

को लेकर चिंता

→ को-वर्कर्स के द्वारा इन मुद्दे पर वार्ता एवं रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना

→ कम्पनी प्रबंधन के नकारात्मक माहौल में खुद को कार्यों पर फोकस नहीं रख पाना

रीना के पास विकल्प

विकल्प (1) जो हो रहा है उसमें हस्तक्षेप नहीं करके कार्य जारी रखें

गुण / दोष

→ VPs द्वारा न तो मौखिक न ही अन्य प्रकार से कुछ भी नहीं कहा तो रीना को भी कुछ नहीं करना चाहिए।

→ VPs का व्यवहार चुप रहने पर हो सकता है कि भविष्य में रीना को शारीरिक शोषण का सामना करना पड़ सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प

(ii) कम्पनी प्रबंधन से बात करके शिकायत दर्ज करें

गुण	दोष
- कम्पनी प्रबंधन उसकी चिंताओं को दूर करेगा और सत्यनिष्ठ, पारदर्शिता के आधार पर निर्णय होगा	→ रीना को नौकरी से निकाला जा सकता है → VPs के विरुद्ध रीना के पास कुछ भी साक्ष्य नहीं है तो VPs की इमेज खराब हो सकती है।

विकल्प

(iv) रीना को VPs के पूर्व व्यवहार की पूर्व कर्मचारियों से बातचीत करनी चाहिए और VPs से अन्त में प्रत्यक्ष बात करके अपनी चिंता प्रकट करनी चाहिए

गुण	दोष
→ यदि पूर्व में लैंगिक भेदभाव, शोषण के आरोप है तो रीना की चिंता में स्पष्टता होगी	> VPs पे सीधे चिपने एवं आरोप लगाने से रीना की नौकरी एवं साक्ष्यों के अभाव में रपेन खराब हो सकती

उम्मीदव इस हाशि नहीं लि चाहिए Cand must write this m

मेरे पास विकल्प - 3 उपयुक्त विकल्प है जिसका औचित्य निम्न प्रकार है —

(i) रीना को पूर्वाग्रह मुक्त होकर पूर्व कर्मचारियों से VPs के व्यवहार को जानना चाहिए जिससे कि यदि पूर्व में भी किसी महिला के साथ कोई शिकायत हो तो पता चल सके।

(ii) रीना को VPs से प्रत्यक्ष बात करनी चाहिए क्योंकि VPs के प्रति रीना का नकारात्मक भाव नही है एवं वह अपनी चिन्तायें बताकर VPs को भविष्य में रीना के प्रति अधिक ध्यान से परेशानी का सामना नही करना पड़े।

अतः रीना को पूर्वाग्रह मुक्त होकर बातचीत का सहारा लेकर उपर्युक्त परिस्थिति को दूर करना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?
(b) How will you resolve the issues in the given case?
(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

उम्मीद इस ह नहीं f चाहिए Can mus writ this

उपर्युक्त प्रकरण में शिक्षा में अनैतिक साधनों का प्रयोग करके परीक्षा पास करना एवं शिक्षक, परिवार, समाज, छात्रों से नैतिक मूल्यों के पतन को प्रदर्शित कर रही है। इसके हितधारक निम्न है

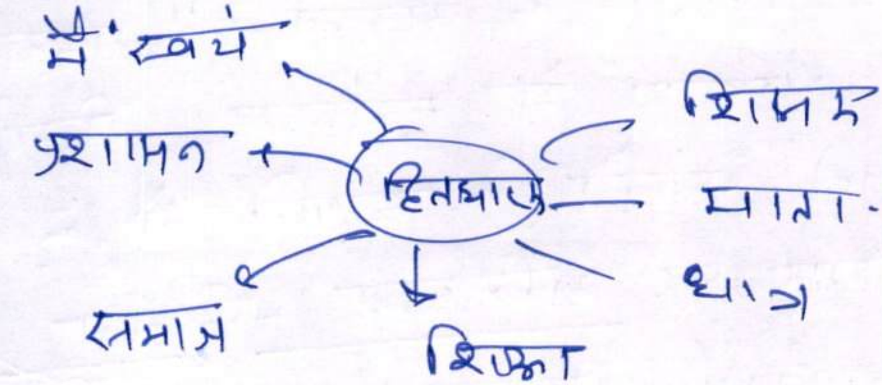

नैतिक मुद्दे

→ परिवार, समाज में नैतिक मूल्यों को लेकर

→ छात्रों में शिक्षा की प्राप्ति के स्थान पर अवैध नकल साधनों की प्रेरणा

→ शिक्षकों का कर्तव्य से विमुख होना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ प्रशासन के सामने शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने एवं निष्पक्ष परीक्षा के मुद्दे।

समाधान

→ सबसे पहले माता-पिता, समाज में शिक्षा के महत्व एवं नकल के भविष्य में कुशलता, नौकरी नहीं मिलने के दुष्परिणामों के आधार पर अभिवृत्ति परिवर्तन का कार्य करूंगा।

→ शिक्षकों में कर्तव्यबोध, सत्यनिष्ठा एवं शिक्षक के मूल्यों को जागृत करूंगा और जो शिक्षक नकल गतिविधियों में शामिल रहेगा उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की बात करके प्रेरणा एवं दण्ड के रास्ते जायज हड़ताल समाप्त करूंगा।

उम्मी
इस
नहीं
चाहि
Can
mus
writ
this

→ स्कूल प्रबंधक को नियम नहीं मानने पर मान्यता रद्द करने की चेतावनी देकर परीक्षा में नकल रोकने के लिए सख्ती से तैयार करना।

→ छात्रों को भविष्य में नौकरी एवं कौशल नहीं होने का भय दिखाकर नकल के स्थान पर अध्ययन पर बल देने को कहूंगा।

दीर्घकालीन रणनीति

→ तकनीकी हस्तक्षेप जैसे CCTV, जैमर (इंटरनेट को कार्य नहीं करने) आदि को शामिल करूंगा।

→ छात्र, माता-पिता एवं समाज को शिक्षा का महत्व बताया जायेगा कि मेहनत करने से न केवल परीक्षा पास होगी बल्कि भविष्य में नौकरी भी आसानी से मिल जायेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ शिक्षकों एवं स्कूल प्रबंधन को शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रेरित करना एवं शिक्षा की गुणवत्ता न होने पर एवं नकल जारी रहने पर मान्यता रद्द एवं सरकारी शिक्षकों के ट्रांसफर के नियम शामिल करना।

→ NGO, सिविल समाज एवं PRIs की भागीदारी से शैक्षणिक अभियान को बढ़ावा देना।

इस प्रकार शिक्षा में नकल की प्रवृत्ति को रोककर नैतिक मूल्यों को बढ़ावा एवं अध्ययन को बढ़ावा देने के उपाय किये जायेंगे।

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?

(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीद
इस
नहीं
चाहिए
Can
mus
writ
this

समुद्री संसाधनों के आर्थिक व्यवहार्यता एवं पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर उपर्युक्त प्रकरण में विभिन्न समूहों में मतभिन्नता है जिनमें निम्न हितधारक है

नैतिक मुद्दे

→ (i) समुद्री जैव विविधता पर स्रोतों का प्रभाव

→ (ii) संसाधनों का न्यायसंगत वितरण के मुद्दे

→(iii) परिणामों को लेकर मतभिन्नता

→(iv) पर्यावरणीय जोखिम बनाम विकास की संभावनाएँ

• विश्लेषण नैतिक मुद्दों का

(i) समुद्री जैवविविधता जैसे मत्स्यन, पर्यावरण पर खोजों के प्रदूषण, नाभन गतिविधि आदि के खतरे में वृद्धि होगी

(ii) समुद्री संसाधनों पर अन्य देशों का दावा है अतः जिन देशों के पास उत्खनन तकनीकी नहीं है उन्हें संसाधनों के लाभों से वंचित रहना पड़ेगा

(iii) समुद्री उत्खनन का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा इसको लेकर पारदर्शिता का अभाव

बना हुआ है।

(iv) पर्यावरणीय जोखिम अर्थात् प्रदूषण, जैवविविधता आदि के समानान्तर विकास के लाभ कितने संधारणीय होंगे का मुद्दा बना हुआ है।

(b) - महासागरों की संधारणीयता या नकारात्मक प्रभाव डाले बिना राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को चक्रीय अर्थव्यवस्था एवं प्रदूषण रहित तकनीकीयों को बढ़ावा देकर किया जा सकता है।

→ समुद्री अन्वेषण में पर्यावरणीय प्रभावों में पारदर्शिता एवं E.I.A जैसे प्रावधानों को शामिल किया जाना चाहिए

उम्मी
इस
नहीं
चाहि
Ca
mu
wri
this

→ संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता में सार्थक रूप से अन्वेषण के कार्य किये जा सकते है और लाभों का न्यायसंगत वितरण किया जा सकता है।

अतः महासागरीय संभावनाओं अद्भुत अन्वेषण तकनीकी एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलनों की पारदर्शिता को बढ़ाकर अन्वेषण एवं विकास हितों को समन्वित करना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

धार्मिक स्थल के निर्माण एवं विकास के पक्षों को लेकर दो समूहों के मतभेदों को प्रकट कर रहा प्रकरण के हितधारक निम्न हैं

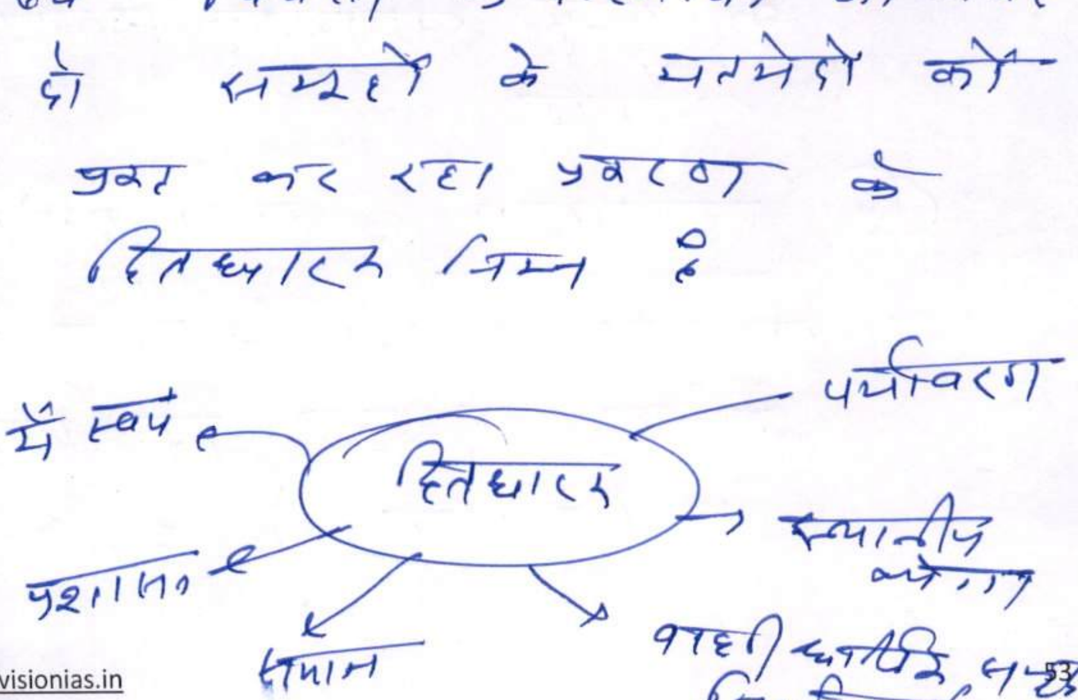

(A) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में मैं दोनों समुदायों के मुद्दों को सुनूंगा और निम्न आधारों पर सामंजस्य स्थापित करूंगा।

(i) निष्पक्षता से सभी के दृष्टिकोण को सुनूंगा और सभी से पूर्वाग्रह रहित होकर बात रखने की अपील करूंगा।

(ii) इमोशनल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते हुए विकास एवं पर्यावरण के मुद्दों पर दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करूंगा।

(iii) सहिष्णुता के साथ दोनों समूहों के धार्मिक मतों को बेहतर समझूंगा एवं एकदूसरे के चिंताओं को दूर करूंगा

कार्यवाई के तरीके

(i) प्रथम विकल्प

(गुण) → धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण से पर्यटन में वृद्धि होगी और इससे समूह की धार्मिक आस्था को बढ़ावा मिलेगा

(दोष) स्थानीय निवासियों एवं पर्यावरण, ट्रैफिक के मुद्दो की उपेक्षा

(ii) द्वितीय विकल्प

(गुण) पर्यावरण, ट्राफिक की समस्या नहीं होगी साथ ही स्थानीय निवासियों के मुद्दों का समाधान एवं भविष्य में धार्मिक टकराव पर रोक लग सकेगी

(दोष) धार्मिक भेदभाव का आरोप एवं पर्यटन विकास को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iii) तृतीय विकल्प

(गुण) - धार्मिक स्थल की स्थापना से धार्मिक आस्था का सम्मान
→ पर्यटन एवं विकास में वृद्धि होगी
→ स्थानीय लोगों की पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक की चिंताओं का समाधान निकल सकेगा

(दोष) - भविष्य में धार्मिक टकराव पैदा हो सकता है
→ सांस्कृतिक एवं पर्यावरण की समस्याओं में वृद्धि हो सकती है।

अतः अन्तिम विकल्प उपयुक्त विकल्प होगा जो धार्मिक तटस्थता एवं स्थानीय निवासियों की चिन्ताओं को दूर कर सकेगा।

उम्मी
इस
नहीं
चाहि
Ca
mu
wr
thi

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आधार पर विवाह में जातिय प्रतिबंध समाज के रूढ़िवाद एवं भेदभाव को प्रकट कर रहा है वहीं एक पिता का बेटी के विवाह एवं पार्टी में पद को लेकर अन्तर्द्वन्द्व को प्रकट कर रही प्रश्न में निम्न हितधारक है

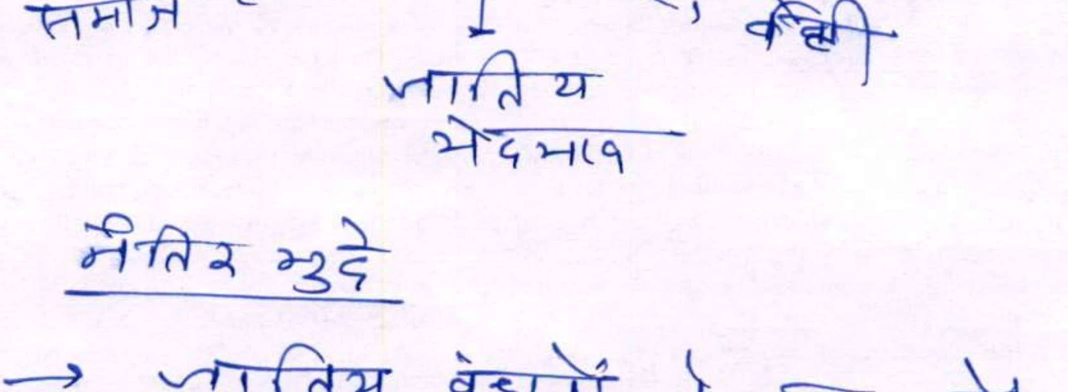

नैतिक मुद्दे

→ जातिय बंधनों के रूप में सामाजिक रूढ़िवादिता।

→ व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वकांक्षा vs बेटी की इच्छा।

→ समाज में जातिय भेदभावों की व्यापकता एवं निर्णयों पर उनका प्रभाव

→ राजनीतिक दलों का पूर्वाग्रह vs जनता का दृष्टिकोण रूढ़िवादी

(B) पिता एवं महत्वकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में विकल्प

(I) बेटी की इच्छा अनुसार भव्य शादी समारोह का आयोजन करना

गुण / दोष

→ बेटी की इच्छा पूरी होगी

→ समाज में जातिय भेदभाव में कमी

→ पार्टी टिकट नहीं देने पर राजनीतिक कैरियर पर प्रभाव

→ समाज में नकारात्मक

(II) बेटी को भव्य शादी के स्थान पर पारिवारिक एवं मित्रों के साथ शादी करने के लिए तैयार करना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गुण	दोष
→ राजनीतिक कैरियर, टिकट पर कोई नुकसान नही होगा	→ बेटी की इच्छा के विपरीत
→ स्वयं जातिय वाविवाह को लेकर स्वागत नहीं किन्तु पार्टी के लिए भी यह विकल्प उचित है	→ जातिय भेदभाव के मुद्दे पर पार्टी से झुकाव और बेटी की शादी को कम धूमधाम से मनाना।

मेरी कार्यवाही का प्रथम विकल्प

बेटी की भव्य तरीके से शादी होगा क्योंकि

(1) यदि दुल्हा हमारे जातिय समूह का होने के कारण भव्य समारोह को स्थगित किया जाता है तो यह मेरे विचारों, अन्तःकरण के विरोधी है जो मेरी अन्तरात्मा एवं मूल्यों के विरुद्ध है।

(ii) बेटी का मेरा जातिय पूर्वाग्रह भविष्य में भी रिश्ते की मजबूती नहीं होने में दिख सकता है।

(iii) समाज में जातिय पूर्वाग्रह एवं भेदभाव से अनुप्रतिनिधि होकर बनाना मेरे न केवल मूल्यों के विरुद्ध है बल्कि नेतृत्व के गुणों के विरुद्ध है।

(iv) पार्टी को मैं जातिय विवाह पर समझाने का प्रयास करूँगा कि मेरे वोटिंग प्रतिशत में भी वृद्धि होगी क्योंकि दोनों समुदाय मुझमें इस कार्य से अधिक तटस्थ, समावेशि एवं पूर्वाग्रह-मुक्त नेतृत्व योग्य मानते हैं।

अतः मैं विवाह कार्यक्रम पूर्व आयोजन के अनुसार भव्य तरीके से करके समाज को जातिविहीन समतामूलक समाज का संदेश देने की कोशिश करूँगा।

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK